भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर
Indian Institute of Management Raipur

IIM Raipur hosts its first Women's Day Summit under the theme "Shaktirath: Celebrating the Journey Of Women In Business" to honor and celebrate women

IIM Raipur hosted its inaugural Women's Day Summit under the theme "Shaktirath: Celebrating the Journey of Women in Business" on 1st March 2023. A panel discussion on the topic "The Glass Ceiling: Redefining Women Leadership in Business" was organized as a part of this summit to facilitate discourse on the leadership style of women, and the challenges that they face, in terms of gender discrimination and stereotyping. The discussion revolved around promoting equality and equity in the workplace.

The summit commenced with the lighting of the lamp by the dignitaries, followed by the panel discussion. The discussion was moderated by Prof. Archana Parashar, Associate Professor, IIM Raipur, and she began by setting the context for the discussion stating that women's achievements must be recognized. Ms. Gauri Das, Vice President and Head of Human Resources, India Factoring, began talking about her journey as a leader in her career. She expressed that it was hard for women back in the day to succeed due to the lack of a support system. She also emphasized that women face biases at their workplace primarily due to the upbringing of those in charge, and these biases are often ingrained in their minds. She highlighted the use of technology as the biggest enabler that can help bring inclusion into the workplace and help women stand against these biases.

Ms. Anamika Sirohi, Vice President - Marketing, Amway, talked about the importance of speaking up and how women can use it to empower themselves and others. Talking about biases, she gave an example of the literature in society and how books restricted women to unnamed caregiver roles with no career aspirations. In her view, the positive representation of women in literature significantly impacts society's mindset.

Ms. Mahima Garg, Head of Marketing, Training, and Certification, AWS, India, reiterated the importance of speaking up and stated that speaking up has no gender, however, it is a powerful tool. She brought up the advantages of technology while saying that women can use it to not only take charge but also establish a work-life balance. She further added that women must be privy to conversations about financial decisions to be financially independent.

Dr. Satarupa Bhattacharjee Kapoor, Institutional Business Development, Emerging Markets, and Funded Projects Division, South Asia Region, Trimble Inc. recounted her experience of entering the field of geology. She stated that it was a difficult field to be in, especially due to the lack of technology, however, the field has changed drastically since then. She mentioned that discrimination can happen to anyone regardless of their gender, but what can help people fight is confidence, and confidence needs to be built over time by taking initiative. She encouraged the students to believe in themselves and always stand by their values.

The summit concluded with a vote of thanks by Prof. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur who expressed his gratitude and felicitated the dignitaries for gracing the summit with their presence. He said that the discussion provided invaluable insight to the students of IIM Raipur and enabled them to understand the nuances of the difficulties faced by women in business. It allowed them to understand how they can promote gender equality while providing everyone a platform to excel when they step into the corporate world. The institute thanks Prof. Parikshit

Charan, Chairperson, Corporate Relations and Placements, and his team and looks forward to hosting more events like these to create a positive impact on society.

भा.प्र.सं. रायपुर द्वारा महिलाओं को सम्मानित करने और महिला दिवस मनाने के लिए "शक्तिरथ: सेलिब्रेटिंग द जर्नी ऑफ वीमेन इन बिजनेस" थीम के तहत अपना पहला महिला दिवस शिखर सम्मेलन आयोजित किया

भा.प्र.सं रायपुर द्वारा 1 मार्च 2023 को "शक्तिरथ: सेलिब्रेटिंग द जर्नी ऑफ वीमेन इन बिजनेस" विषय के तहत अपने पहला महिला दिवस शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन, महिलाओं के नेतृत्व के तरीकें और लैंगिक भेदभाव और रूढ़िबद्धता के संदर्भ में उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए, "द ग्लास सीलिंग: रीडिफाइनिंग वीमेन लीडरशिप इन बिजनेस" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। यह चर्चा कार्यस्थल में समानता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए की गई।

शिखर सम्मेलन की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद पैनल चर्चा हुई। चर्चा की शुरुआत, प्राध्यापक अर्चना पराशर, सह-प्राध्यापक, भा.प्र.सं. रायपुर द्वारा की गई और उन्होंने चर्चा की शुरुआत यह कहते हुए की कि महिलाओं की उपलब्धियों को पहचान मिलनी चाहिए। सुश्री गौरी दास, उपाध्यक्ष और मानव संसाधन प्रमुख, इंडिया फैक्टरिंग, ने अपने करियर में एक लीडर के रूप में अपने सफर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि समर्थन की कमी के कारण महिलाओं के लिए सफल होना मुश्किल होता था। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महिलाओं को अपने कार्यस्थल पर पक्षपात का सामना, मुख्य रूप से उन लोगो द्वारा किया जाता है, जिन्होंने बड़े होते हुए ऐसा देखा है और अब यह बात उनके दिमाग में घर कर चुकी होती है। उन्होंने टेक्नोलॉजी को अपना सबसे बड़ा समर्थक बताया जो कार्यस्थल में समानता लाने और महिलाओं को इन पक्षपात के खिलाफ खड़े होने में मददरूप है।

सुश्री अनामिका सिरोही, वाइस प्रेसिडेंट - मार्केटिंग, एमवे ने आगे आकर बोलने के महत्व के बारे में बात की और बताया कि कैसे महिलाएं खुद को और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए इसका उपयोग कर सकती हैं। असमानता के बारे में बात करते हुए, उन्होंने समाज में साहित्य का उदाहरण दिया और बताया कि किस तरह किताबों ने महिलाओं को बिना करियर की अपेक्षा के, उन्हें अनाम देखभालकर्ता की भूमिकाओं तक सीमित कर दिया। उनके विचार में साहित्य में महिलाओं का सकारात्मक प्रतिनिधित्व समाज की मानसिकता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

सुश्री महिमा गर्ग, मार्केटिंग, ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन की हेड, ईडब्ल्यूएस, भारत, ने आगे आकर बोलने के महत्व पर दोबारा बात की और कहा कि बोलना, सभी लिंग का अधिकार है, हालांकि,

यह एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने टेक्नोलॉजी के लाभों के बारे में बात करते हुए कहाँ कि महिलाएं इसका उपयोग न केवल अपने काम को संभालने के लिए कर सकती हैं बल्कि काम औऱ जीवन के बीच संतुलन बनाने के लिए भी कर सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए महिलाओं को वित्तीय निर्णयों के बारे में बातचीत करनी चाहिए।

डॉ. सतरूपा भट्टाचार्जी कपूर, इंस्टीट्यूशनल बिजनेस डेवलपमेंट, इमर्जिंग मार्केट्स एंड फंडेड प्रोजेक्ट्स डिवीजन, साउथ एशिया रीजन, ट्रिम्बल इंक. ने भूविज्ञान के क्षेत्र में प्रवेश करने के अपने अनुभव को याद किया। उन्होंने कहा कि यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था, ख़ासकर टेक्नोलॉजी की कमी के कारण, हालांकि, उसके बाद से क्षेत्र काफी बदल गया है। उन्होंने बताया कि लिंग को ध्यान में लिए बिना, भेदभाव किसी के भी साथ हो सकता है, लेकिन आत्मविश्वास की मदद से लोग इसका सामना कर सकते है और समय के साथ पहल करके आत्मविश्वास का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को खुद पर विश्वास करने और हमेशा अपने सिद्धांतो के साथ जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिखर सम्मेलन का समापन भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक, प्राध्यापक राम कुमार काकानी द्वारा आभार व्यक्त करने के साथ हुआ, जिन्होंने गणमान्य व्यक्तियों को उनकी उपस्थिति के साथ शिखर सम्मेलन की शोभा बढ़ाने के उनका आभार व्यक्त किया और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस चर्चा से भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों को महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त हुआ है और उन्हें व्यापार में महिलाओं के सामने आने वाली कठिनाइयों की बारीकियों को समझने में भी मदद मिली है। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखने वाले लोगो को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करते हुए वे लैंगिक समानता को बढ़ावा कैसे देना चाहिए। यह संस्थान प्रा. परीक्षित चरण, अध्यक्ष, कॉर्पोरेट रिलेशंस एंड प्लेसमेंट्स और उनकी टीम का आभार व्यक्त करती है और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए इस तरह के और कार्यक्रमों का आयोजन की इच्छा रखती है।